



भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला एवं हिमालयन रिसर्च ग्रुप शिमला के बीच समझौता ज्ञापन

MoU between ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla and Himalayan Research Group Shimla

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने 9 अगस्त, 2023 को गुणवत्तापूर्ण सहयोगात्मक अनुसंधान करने और ग्रामीण समुदायों के लिए उच्च कुशल मानव संसाधन और आजीविका के अवसरों के निर्माण के लिए हिमालयन रिसर्च ग्रुप (एच.आर.जी.) शिमला के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एच.आर.जी. एक प्रसिद्ध गैर सरकारी संगठन है जिसे भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अपनाया गया है। एच.आर.जी. ग्रामीण समुदायों के लिए वानिकी और आजीविका सृजन के क्षेत्र में कई अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है। डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, हि.व.अ.सं., शिमला और डॉ. लाल सिंह, निदेशक हिमालयन रिसर्च ग्रुप ने गवाहों डॉ. आर.के. वर्मा, वैज्ञानिक-जी और कार्यालय प्रमुख और डॉ. स्वर्ण लता वैज्ञानिक-डी, हि.व.अ.सं., शिमला और श्री नरेश कुमार एच.आर.जी. शिमला की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ICFRE-Himalayan Forest Research Institute, Shimla, H.P., signed a MoU with Himalayan Research Group (HRG) Shimla for carrying out quality collaborative research and building a highly skilled human resource and livelihood opportunities for rural communities on 9th August 2023. HRG is a renowned NGO which has been adopted by Department of Science and Technology, Govt of India. HRG is undertaking many research projects in the field of forestry and livelihood generation for rural communities. Dr. Sandeep Sharma, Director HFRI Shimla and Dr. Lal Singh, Director HRG group signed MoU in the presence of witnesses Dr. R.K. Verma Scientist-G, & Head of office and Dr. Sawaran Lata Scientist-D, HFRI, Shimla and Mr. Naresh Kumar from HRG, Shimla.

कार्यक्रम की झलकियाँ





व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हिमाचल

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला तथा हिमालयन रिसर्च ग्रुप के मध्य वानिकी अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

LIMITED PERIOD OFFER
LIFETIME FREE
₹500 + 4%*
Cashback on fuel spends
With India Oil Axis Bank Credit Card
[Apply Now](#)

Axis Bank Free Credit Card
Limited Period Offer! With 0 Annual & Joining Fee On Axis Bank IOCL Credit Card.

Axis Bank [Apply Now >](#)

ब्यूरो हिमालयन अपडेट | August 09, 2023 06:34 PM



शिमला,

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला तथा हिमालयन रिसर्च ग्रुप, शिमला के मध्य वानिकी अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु आज दिनांक 9 अगस्त 2023 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंचाघाटी, शिमला में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों संस्थानों की ओर से इन संस्थानों के निदेशकों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक, डॉ. संदीप शर्मा ने कहा कि उनका संस्थान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आई.सी.एफ.आर.ई.), देहरादून पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान गतिविधियों का संचालन करने के लिए एक शीर्ष स्वायत्त निकाय है। यह संस्थान हिमाचल प्रदेश राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू, कश्मीर तथा लद्दाख में वानिकी अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

डॉ. लाल सिंह, निदेशक हिमालयन रिसर्च ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि उनका संगठन एक उभरता हुआ एवं प्रगतिशील गैर-सरकारी संगठन है, जिसका लक्ष्य वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के साथ पर्यावरण-अनुकूल तरीके से स्थानीय समुदायों में आर्थिक समृद्धि लाना है। लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर यह संगठन मुख्य रूप से भारतीय हिमालय क्षेत्र के कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में ग्रामीण आजीविका, जैव-विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन शमन तथा समुदायों के सामय विकास को सुदृढ़ करने हेतु कार्य करता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के अनुदान से विकसित ग्रामीण प्रशासनिक समुदाय-उन्मुख प्रौद्योगिकी मॉडल को लोकप्रिय बनाना पिछले डेढ़ दशक में एच.आर.जी. के कार्यक्रमों की सफलता की कुंजी है।

दोनों संगठनों के निदेशकों ने आशा व्यक्त की कि इस समझौता ज्ञापन के हस्ताक्षरित करने के बाद दोनों संस्थान एक-दूसरे के साथ मिलकर वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के साथ पर्यावरण-अनुकूल तरीके से स्थानीय समुदायों की सक्रिय
